1 हमारी भाषा
Our Language

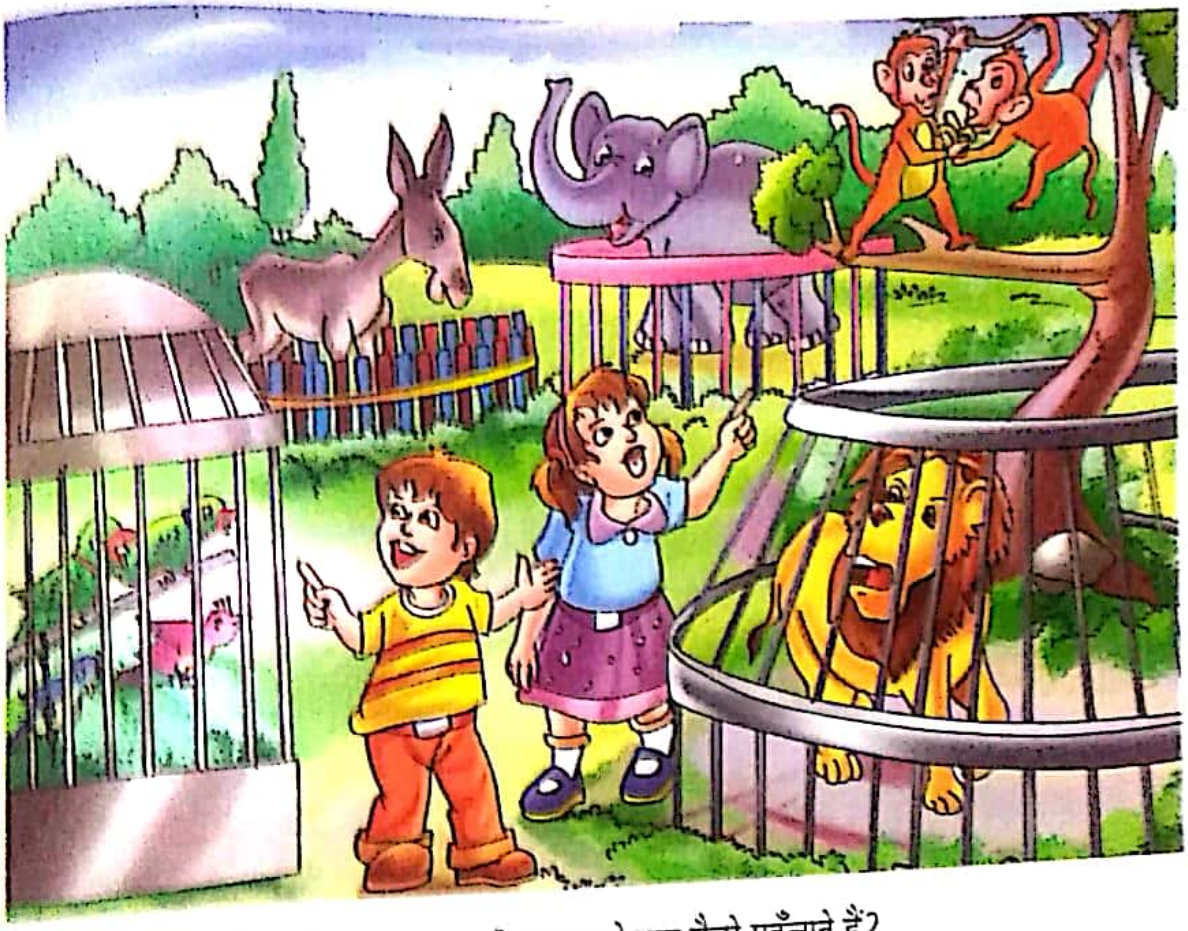

मीना – भैया! सभी प्राणी अपने मन की बात दूसरे तक कैसे पहुँचाते हैं?

साहिल – मीना, सभी पशु-पक्षी अलग-अलग ध्वनियों या संकेतों के माध्यम से अपने मन की बात को एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं।

मीना – भैया! क्या पशु-पक्षियों की भी कोई भाषा है?

साहिल – नहीं मीना। पशु-पक्षियों के मुख से निकली हुई आवाज़ केवल ध्वनि है, इसे भाषा नहीं कहा जा सकता।

मीना – भैया! मनुष्य ने कैसे बोलना सीखा?

साहिल – मीना, मेरी अध्यापिका ने बताया था कि मनुष्य पहले संकेतों से बात करता था।

जैसे– पहाड़ बताने के लिए,

आग दिखाने के लिए,

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

इसे सांकेतिक भाषा कहते हैं। आज भी हम अपनी बात कहने के लिए संकेतों का प्रयोग करते हैं।

जैसे– सड़क पर लालबत्ती गाड़ी रुकने का संकेत करती है।

मीना – अच्छा भैया! पहले मनुष्य को बोलना नहीं आता था?

साहिल – नहीं मीना! जब मनुष्य अपनी बात को संकेतों के माध्यम से स्पष्ट करने में पूर्णतया समर्थ नहीं हो पाया तब धीरे-धीरे ध्वनियों की ज़रूरत महसूस होने लगी।

मीना – भैया! क्या फिर वस्तु को देखकर उसके अनुसार ध्वनियों को बनाया गया?

साहिल – हाँ मीना! वस्तुओं के अनुसार ध्वनियों का निर्माण हुआ, फिर धीरे-धीरे शब्द बने और फिर भाषा का निर्माण हुआ। आज हम जिस भाषा का प्रयोग करते हैं, उसका निर्माण इसी प्रकार हुआ है। हम इसी भाषा के द्वारा अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरों की बात समझते हैं।

मन की बात एवं विचारों को दूसरों तक पहुँचाने एवं दूसरों की बात को समझने के साधन को भाषा कहते हैं।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं– 1. मौखिक भाषा, 2. लिखित भाषा।

जब हम बोलते हैं और दूसरा व्यक्ति हमारी बात सुनकर समझता है, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

जब हम लिखकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरा व्यक्ति पढ़कर उसे समझता है, तो उसे भाषा का लिखित रूप कहते हैं।

मौखिक भाषा का प्रयोग बच्चा बचपन से अपने आस-पास के वातावरण से सीखता है। जबकि लिखित भाषा को सीखने के लिए उसे विशेष प्रयास करना पड़ता है।

लिपि

भाषा को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग होता है, उसे लिपि कहते हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है। हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं और सभी भाषाओं की लिपियाँ अलग-अलग हैं। जैसे– गुजराती, मराठी और हिंदी भाषाएँ देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं। अंग्रेज़ी भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती है। पंजाबी गुरुमुखी लिपि में और उर्दू भाषा फ़ारसी लिपि में लिखी जाती है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner